RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 257
दि. 18.01.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली', अहिल्याबाई मामले पर सीएम ने कांग्रेस पर किया तंज; जमकर बरसे

वाराणसी। (जीएनएस)। सीएम योगी आदित्यनाथ के वाराणसी आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारवार्ता की। सीएम ने अहिल्याबाई मामले को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस लगातार देश की जनता को दिग्भ्रमित कर रही है। इनकी ओछी राजनीति को समझने की जरूरत है।

जब काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो रहा था, तब भी कुछ लोगों ने साजिशें रची थीं। यहां तक कि जिन वर्कशॉप में मूर्तियां बनती हैं, वहां से टूटी हुई मूर्तियों के अवशेष लाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए और सफेद झूठ फैलाया गया कि मंदिर तोड़े जा रहे हैं।"

कांग्रेस पर यह सीधा हमला बोला उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने। मुख्यमंत्री शनिवार को वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के बाद पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे।

दरअसल पिछले एक-दो दिनों से सोशल मीडिया पर काशी के मंदिर व मणिकर्णिका घाट को तोड़ने के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन्हीं आरोपों का जवाब देने के लिए सीएम खुद मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने इन वीडियो की सत्यता को सिरे से खारिज करते हुए कहा, यहां पर पिछले 11 वर्षों में हुए समग्र विकास की परियोजना को बाधित करने के लिए जो साजिशें रची जा रही हैं और जिस प्रकार का दुष्प्रचार किया जा रहा है, इसके बारे में सही तथ्य जनता के सामने आ सकें, इसीलिए मुझे आज यहां पर आना पड़ा।

उन्होंने कहा कि काशी के प्रति हर सनातन धर्मावलम्बी व हर भारतवासी अपार श्रद्धा का भाव रखता है, लेकिन स्वतंत्र भारत में काशी को जो सम्मान मिलना चाहिए था, काशी का जो विकास होना चाहिए था, वो नहीं हुआ। पिछले 11 वर्षों में काशी एक बार फिर अपनी आध्यात्मिक व सांकृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए उनका संवर्धन कर रही है और भौतिक विकास के माध्यम से नई ऊंचाइयों को भी प्राप्त कर रही है।

पीएम कहते हैं 'मेरी काशी'

सीएम योगी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश की संसद में काशी का प्रतिनिधित्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते हैं और वह अक्सर अपने भाषणों में कहते हैं, 'मेरी काशी'। प्रारम्भ से ही उन्होंने कहा है कि काशी की पुरानी काया को संरक्षित करते हुए उसे नए कलेवर के रूप में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए और उसी के अनुरूप काशी की परियोजनाएं तैयार हुईं।

देश की जीडीपी में काशी का योगदान 1.3 लाख करोड़

कॉरिडोर बनने के बाद काशी में आए परिवर्तन को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम बनने से पहले यहां प्रतिदिन औसतन पांच हजार से 25 हजार श्रद्धालु आते थे। कॉरिडोर बनने के बाद प्रतिदिन सवा लाख से डेढ़ लाख श्रद्धालु यहां दर्शन कर रहे हैं। विशेष अवसरों पर यह संख्या 6 से 10 लाख तक पहुंचती है। गतवर्ष 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ धाम में दर्शन किए। बाबा विश्वनाथ धाम बनने के बाद से अब तक अकेले काशी ने देश की जीडीपी में 1.3 लाख करोड़ रुपए का योगदान किया है।

मंदिर तोड़े नहीं गए, पुनरुद्धार हुआ

सीएम ने सीधे-सीधे कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब काशी विश्वनाथ धाम बन रहा था, तब भी कांग्रेस ने सफेद झूठ फैलाया कि मंदिर तोड़े गए, जो कि सरासर गलत है। उन मंदिरों का पुनरुद्धार हुआ है, वे आज भी वैसे ही हैं। फर्क इतना है कि पहले जीर्णशीण हालत में थे, अब उनका पुनरुद्धार हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौ वर्ष पहले माता अन्नपूर्णा की मूर्ति यहां से चोरी कर यूरोप पहुंचा दी गई थी। प्रधानमंत्री के प्रयास से वह मूर्ति वापस आई और काशी विश्वनाथ में उसकी स्थापना की गई। सीएम योगी ने कांग्रेस से सवाल किया कि 1947 से लेकर 2014 तक ज्यादातर समय केंद्र में कांग्रेस की सरकारें रहीं, आखिर उन्होंने यह प्रयास क्यों नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकारों में भारत की विरासत के प्रति सम्मान का भाव ही नहीं था। तुष्टीकरण की राह पर चलकर भारत की आस्था का अपमान करने वाली कांग्रेस कभी भी भारत की विरासत का सम्मान नहीं कर सकती।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली

सीएम योगी ने कहा कि विरासत का सम्मान कैसे होता है, यह हमें कांग्रेस से पूछने की आवश्यकता नहीं। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर 500 वर्षों के बाद मंदिर निर्माण का कार्य, काशी हो या अयोध्या, मां विंध्यवासिनी धाम हो या प्रयागराज, बौद्ध तीर्थस्थल हो या फिर भारत की विरासत से जुड़े सभी तीर्थस्थल, विरासत के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के सभी कार्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सकुशल संपन्न हो रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस द्वारा इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी और उसके नेताओं के इस प्रकार के बचकाने बयान और बचकानी हरकतों को देखकर उन पर हंसी भी आती है और दया भी।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन पूज्य मोरारी बापू की राम कथा के उद्घाटन दिवस में शामिल हुए

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में पूज्य मोरारी बापू द्वारा आयोजित नौ दिवसीय राम कथा के उद्घाटन समारोह में आज भाग लिया। उपराष्ट्रपति ने उपस्थित लोगों को संबोधित को करते हुए राम कथा को भारत की सभ्यतागत परंपराओं में गहराई से निहित नैतिकता, करुणा, बंधुत्व और मानवता के शाश्वत मूल्यों के प्रसार का एक गहन और जीवंत माध्यम बताया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि राम कथा केवल एक पवित्र महाकाव्य का वर्णन नहीं है, बल्कि एक जीवंत दर्शन है जो व्यक्तियों को गरिमा, अनुशासन, भक्ति और करुणा के साथ जीवन जीने का मार्गदर्शन करता है। प्रभु श्री राम के जीवन और आदर्शों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये आदर्श धर्म के लिए मार्गदर्शक का काम करते हैं, जिसे उन्होंने जीवन जीने का सही तरीका बताया।

पूज्य मोरारी बापू को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि दशकों से उन्होंने राम कथा की पवित्र परंपरा को भारत और विश्व भर में फैलाया है, जिससे मानवीय चेतना जागृत हुई है और प्रेम, सेवा और धर्म के सार्वभौमिक मूल्यों को सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने प्रशंसा व्यक्त की कि यह प्रस्तुति पूज्य मोरारी बापू की 971वीं राम कथा है।

अयोध्या में 25 नवंबर 2025 को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में हुए ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह अवसर लाखों भक्तों की आस्था, धैर्य और सदियों पुरानी भक्ति की पुष्टि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां चाहे कितनी भी आएं, धर्म कभी नष्ट नहीं हो सकता और अंततः सत्य और धर्म की ही जीत होती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम केवल मंदिरों में ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा में भी निवास करते हैं।

रामायण परंपरा की सार्वभौमिकता का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रभु श्री राम का जीवन और आदर्श वाल्मीकि की संस्कृत रामायण और तुलसीदास की रामचरितमानस से लेकर कंबन की तमिल रामायणम और भारत तथा विश्व भर में कई अन्य अनुवादों तक, विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों में व्यक्त होते हैं। उन्होंने कहा कि भाषाएँ भले ही अलग हो सकती है लेकिन धर्म का सार एक ही रहता है, जो साझा मूल्यों के माध्यम से विविध परंपराओं को एकजुट करता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के प्राचीन धर्मग्रंथ विश्व शांति, सहअस्तित्व, सद्भाव और संतुलन पर विशेष बल देते हैं और इन्हें शाश्वत एवं सार्वभौमिक सिद्धांत बताते हैं। उन्होंने रामचरितमानस, भगवद् गीता, आदि पुराण और जैन आगम जैसे ग्रंथों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये आध्यात्मिक एवं दार्शनिक ज्ञान के स्रोत हैं जो मानवता का मार्गदर्शन करते रहते हैं।

उपराष्ट्रपति ने लोगों से नौ दिनों की राम कथा में केवल श्रोता बनकर नहीं, बल्कि साधक बनकर शामिल होने का आ'ान करते हुए कहा कि भगवान राम के आदर्शों का एक छोटा सा अंश भी दैनिक आचरण में लाने से सच्चा आध्यात्मिक परिवर्तन हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

19 जनवरी 2026 पुणे में पीएम-सेतु उद्योग कार्यशाला का आयोजन

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से 19 जनवरी 2026 को पुणे में एक महत्वपूर्ण उद्योग परामर्श का आयोजन करेगा। यह परामर्श प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप घोषित एक ऐतिहासिक पहल, पीएम-सेतु (उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार क्षमता परिवर्तन) के क्रियान्वयन का भाग है जिसका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कार्यबल का निर्माण करना है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा हाट 2026 का आयोजन 18 से 31 जनवरी तक नई दिल्ली के दिल्ली हाट में किया जाएगा

भारत सरकार का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई)

पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत कारीगरों और शिल्पकारों को समर्पित एक प्रदर्शनी, पीएम विश्वकर्मा हाट 2026 का आयोजन कर रहा है। यह प्रदर्शनी 18 से 31 जनवरी 2026 तक दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली में होगी और सुबह 10:30 बजे से रात 10:00 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगी।

मेट्रो में रोजाना सफर करने वालों की संख्या 3 वर्ष में चार गुना बढ़ी, दैनिक यात्रियों की संख्या 35 हजार से डेढ़ लाख तक पहुंची

अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2025 के दौरान 11.50 करोड़ से अधिक लोगों ने मेट्रो में यात्रा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गत 11 जनवरी को महात्मा मंदिर तक मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया

गांधीनगर, (जीएनएस)। अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो सेवा आज तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन का एक मजबूत उदाहरण बन गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गत 11 जनवरी को अहमदाबाद मेट्रो रेल फेज-2 के तहत गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर तक मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया था। अब महात्मा मंदिर तक मेट्रो नेटवर्क का विस्तार होने से अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी, साथ ही नागरिकों की यात्रा और भी सुगम एवं किफायती होगी।

हजारों कर्मचारियों, छात्रों एवं पर्यटकों को होगा लाभ

यात्रियों और पर्यटकों को अब महात्मा मंदिर मेट्रो स्टेशन से गांधीनगर रेलवे स्टेशन तक सीधी कनेक्टिविटी भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, मेट्रो के जरिए अक्षरधाम मंदिर और दांडी कुटीर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। मेट्रो नेटवर्क के इस विस्तार के कारण हजारों कर्मचारियों, छात्रों और पर्यटकों को बड़ा लाभ होगा। विशेषकर, महात्मा मंदिर में होने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में आने वाले अतिथियों तथा कड़ी सर्व विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी।

अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2025 के दौरान 11.50 करोड़ से अधिक लोगों ने किया मेट्रो में सफर

अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो सेवा के कारण पिछले 3 वर्षों में यात्रियों को किफायती और कुशल शहरी परिवहन का अनुभव मिला है। अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2025 के दौरान कुल 11.50 करोड़ से अधिक यात्रियों ने मेट्रो में सफर किया है।

मासिक आंकड़ों को देखें, तो वर्ष 2023 के दौरान प्रतिमाह औसतन 12 से 27 लाख यात्रियों ने मेट्रो का उपयोग किया। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर लगभग 27 से 35 लाख प्रतिमाह दर्ज की गई। वहीं, वर्ष 2025 में इस आंकड़े में बड़ा उछाल देखने को मिला। विशेषकर जुलाई और सितंबर में प्रतिमाह 44 लाख से अधिक यात्रियों ने मेट्रो सेवा का लाभ उठाया।

गत वर्ष अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आयोजित आईपीएल मैचों और कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के दौरान लाखों लोगों ने मेट्रो से सफर करने को तरजीह दी।

गुजरात सरकार और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के बीच इन्वेस्टमेंट लेटर हैंड ओवर सेरेमनी आयोजित

गांधीनगर, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में देश के विकास रोल मॉडल राज्य गुजरात ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में एक और ठोस कदम उठाया है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड खोरज में जीआईडीसी द्वारा उपलब्ध कराई गई 1750 एकड़ भूमि पर 35 हजार करोड़ रुपए के निवेश से व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग के नए प्लांट की स्थापना करेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल एवं मारुति सुजुकी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हिसाशी ताकेउची की उपस्थिति में गांधीनगर में इस प्लांट के निवेश के लिए इन्वेस्टमेंट लेटर हैंड ओवर सेरेमनी आयोजित की गई।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी तथा मारुति सुजुकी के होल-टाइम डायरेक्टर एवं एक्जीक्यूटिव कमिटी मेंबर श्री सुनील कक्कर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मारुति के इस नए प्लांट से संभावित रूप से 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इतना ही नहीं, इस प्लांट के परिणामस्वरूप आसपास के क्षेत्रों में एन्सिलरी यूनिट्स और एमएसएमई इकाइयां भी स्थापित होंगी।

जिससे अनुमानित 7.50 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। एक संपूर्ण क्लस्टर के निर्माण होने से ऑटो हब के रूप में गुजरात की पहचान को अधिक बल मिलेगा।

इस प्रोजेक्ट अंतर्गत प्रति वर्ष 2.5 लाख कार उत्पादन क्षमता वाले 4 प्लांट मिलकर प्रति वर्ष कुल 10 लाख कार की उत्पादन क्षमता वाला प्लांट विकसित किया जाएगा। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की योजना के अनुसार पहले प्लांट का उत्पादन वित्तीय वर्ष 2029 से शुरू किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी का मध्य प्रदेश के विदिशा का दौरा

(जीएनएस)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध विदिशा जिले के प्रगति को नई गति देते हुए 4,400 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से 181 किमी कुल लंबाई की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं एवं 3 ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव जी, केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी, राज्य के लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह जी, अन्य मंत्री गण तथा सांसदों-विधायकों, अधिकारीयों और गणमान्यों की उपस्थिति में लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

आज लोकार्पित हुई परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के ओबेदुल्लागंज-इटारसी खंड से संबंधित है, जहां रातापानी वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में शेष 4-लेन मार्ग का निर्माण पूर्ण किया गया है। इस मार्ग के बनने से भोपाल से इटारसी के बीच की यात्रा अधिक सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध होगी। साथ ही नियंत्रित यातायात व्यवस्था से पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा को भी लाभ मिलेगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का अवलोकन किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज भारत मंडपम में आयोजित नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का अवलोकन किया। गृह मंत्री ने वंदे मातरम पवेलियन और ऑपरेशन सिंदूर पवेलियन का भी दौरा किया। गृह मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और योगदान पर बनी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

पर किए गए सिलसिलेवार पोस्ट्स में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा, 'पुस्तकें ज्ञान प्राप्त करने का सर्वोत्तम माध्यम हैं, और उम्र चाहे जो भी हो, पढ़ते रहना चाहिए। पढ़ने की आदत तेजी से कम होती जा रही है, और मुझे विश्वास है कि डिजिटल हो या प्रिंट, पुस्तकें अभी भी ज्ञान अर्जित करने का सबसे अच्छा तरीका हैं। आज भारत मंडपम में आयोजित नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का अवलोकन किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने बच्चों को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की 'आनंद मठ' की प्रतियां भी वितरित कीं। उन्होंने कहा, 'बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित साहित्यिक कृति 'आनंद मठ' ने लाखों भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम छेड़ने और ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिए प्रेरित कर इतिहास रचा। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में बच्चों को 'आनंद मठ' की प्रतियां भेंट कीं ताकि उनके मन में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों की ज्योति जलाई जा सके।

श्री अमित शाह ने आगे कहा, 'आज विश्व पुस्तक मेले में नेशनल बुक ट्रस्ट के वंदे मातरम पवेलियन का दौरा किया। जब राष्ट्र वंदे मातरम के 150 वर्ष मना रहा है, यह पवेलियन हमारे राष्ट्रीय गीत की गौरवशाली गाथा को प्रदर्शित कर रहा है, जिसने स्वतंत्रता सेनानियों में औपनिवेशिक शासन को उखाड़ फेंकने की देशभक्ति की भावना जगाई थी।

श्री अमित शाह ने पुस्तक मेले में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और योगदान पर बनी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा, 'आज 'नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला' में सरदार साहब के जीवन और योगदान पर बनी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। टुकड़ों-टुकड़ों में बँटे देश को एकीकृत कर एक भारत का निर्माण करने वाले सरदार साहब का 150वाँ जयंती वर्ष मनाकर मोदी सरकार उनके महान व्यक्तित्व व विशाल कृतित्व को नई पीढ़ी में अजर-अमर बना रही है। यह प्रदर्शनी युवाओं में देश की रक्षा व अखंडता के संकल्प को और भी मजबूत बनाएगी।'

गृह मंत्री ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री मोदी जी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, हमारी सशस्त्र सेनाओं की निर्णायक प्रहार क्षमता और सटीक खुफिया जानकारी से संचालित भारत की अजेय सैन्य शक्ति का प्रमाण था। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में 'ऑपरेशन सिंदूर' पवेलियन का दौरा किया। यह पवेलियन युवा पीढ़ी को देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है।'

यूपी में माइक्रो इरिगेशन को बढ़ावा, गोरखपुर और संतकबीर नगर में बन रहीं पायलट परियोजनाएं

गोरखपुर व संतकबीर नगर में राप्ती और कुवानो नदी क्षेत्र में माइक्रो इरिगेशन का विकास

जल संरक्षण के साथ किसानों को मिलेगा कम लागत में अधिक उत्पादकता का लाभ

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं व जल उपयोग दक्षता का विस्तार करने के उद्देश्य से माइक्रो इरिगेशन को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। इस दिशा में विभाग केंद्र सरकार की मॉडर्नाइजेशन ऑफ कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट (एमसीएडीडब्ल्यूएम) परियोजना के तहत गोरखपुर और संत कबीर नगर जिलों में माइक्रो इरिगेशन की पायलट परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है।

ये पायलट परियोजनाएं गोरखपुर में कलपईचा/रामगढ़ ताल व राप्ती नदी क्षेत्र में, जबकि संतकबीर नगर में कुवानो नदी क्षेत्र में बनाई जा रही हैं, जो माइक्रो इरिगेशन की पीपीआईएन (प्रेशराइज्ड पाइप्ड इरिगेशन नेटवर्क) तकनीक के जरिए जल उपयोग की दक्षता में लगभग 75 प्रतिशत की वृद्धि लाएंगी। पायलट परियोजनाओं के सफल संचालन के आधार पर इसका विस्तार प्रदेश के अन्य जनपदों में भी किया जाएगा, जो किसानों के लिए लाभप्रद होने के साथ प्रदेश में कृषि क्षेत्र में सतत विकास सुनिश्चित करेगी।

गोरखपुर और संतकबीर नगर में हो रहा निर्माण

सिंचाई विभाग केंद्रीय परियोजना के तहत गोरखपुर और संत कबीर नगर में कुल छह पायलट परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है।

मतदाताओं के लिए जिला प्रशासन आया एक्शन मोड़ में : आज जनपद के सभी बूथों पर लगेंगे कैंप

कलैक्ट्रेट सभागार में पत्रकार को जानकारी देते हुए डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह, साथ में एडीएम वित्त एवं राजस्व पंकज वर्मा

-मतदाताओं की समस्याओं का होगा तुरंत समाधान

मथुरा । मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जिला प्रशासन टॉप गियर में आ गया है। आज जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर प्रशासन मेगा कैंप का आयोजन करा रहा है। कैंप में वोट जोड़ने, हटाने और संशोधन से संबंधित सभी समस्याओं का तुरंत निस्तारण किया जाएगा। इसके बाद 31 जनवरी और 1 फरवरी को भी जनपद में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। जानकारी के अनुसार कलैक्ट्रेट सभागार में जानकारी देते हुए डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह ने जनपद के सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने-अपने बूथ केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची से जुड़ी त्रुटियों को ठीक कराएं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी नागरिकों के पास वोटर आईडी होना जरूरी है तथा इसे कोई भी व्यक्ति नजरअंदाज न करे। उन्होंने बताया कि 6 जनवरी को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की जा चुकी है, जिस पर 6 फरवरी तक आपत्ति दर्ज करायी जा सकती है। कहा कि जनपद में कुल 11 सौ 7 मतदान केंद्र और 24 सौ 2 मतदेय स्थल निर्धारित हैं। अभी तक फार्म नंबर 6 नए वोट बढ़ाने के लिए 23 हजार 142 फॉर्म जमा हुए हैं। फॉर्म 7 (नाम हटाने) के लिए करीब 6 सौ, फॉर्म 8 (नाम एवं पता संशोधन) के 8 हजार 3 सौ 92 फार्म जमा हुए हैं और 3 लाख 74 हजार नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं, जिनमें मृतक तथा अनट्रेसेबल मतदाता शामिल हैं। जनपद में 11 प्रतिशत अनट्रेसेबल मतदाता मिलने पर प्रशासन सख्त हो गया है। पूरे जनपद में 5 प्रतिशत, जबकि मथुरा सदर तहसील में 11 प्रतिशत मतदाता अनट्रेसेबल पाए गए हैं। प्रशासन ने मैपिंग कार्य के लिए 160 अधिकारी लगाए हैं। केवर सदर तहसील में 66 अधिकारी नोटिस वितरण करने में जुटे हुए हैं। इसके साथ ही बीएलओ भी घर-घर पहुंच कर नोटिस पहुंचाने जाएंगे, इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा तय दस्तावेजों में से एक प्रमाणित प्रति देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए एडीएम वित्त एवं राजस्व पंकज वर्मा को कंट्रोल रूम का प्रभारी बनाया गया है। डीएम ने कहा कि मेगा कैंप का समय आज (रविवार) सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक

सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ मौजूद रहकर मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करेंगे।

प्रदेश के शिक्षकों तक पहुंची मुस्कानालय की मुस्कान

खागा। ऐरायाँ ब्लॉक स्थित आदर्श प्राथमिक विद्यालय मलूकपुर का पुस्तकालय 'मुस्कानालय' अब प्रदेश स्तर पर पहचान बना चुका है। विद्यालय में समुदाय के सहयोग से स्थापित इस पुस्तकालय की तस्वीरों को राज्य स्तरीय पुस्तकालय प्रशिक्षण मॉड्यूल 'ग्रंथागार' के कवर पेज पर स्थान मिला है। साथ ही पुस्तकालय की स्थापना, उसके उद्देश्य और शैक्षिक प्रभाव को लेकर विद्यालय के आदर्श शिक्षक आनंद कुमार मिश्र द्वारा लिखे गए प्रेरणास्पद लेख को भी मॉड्यूल के आवरण पृष्ठ में शामिल किया गया है।

परिषदीय एवं माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (आईएएसई), प्रयागराज द्वारा तैयार किए गए इस प्रशिक्षण मॉड्यूल में किसी ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय की लाइब्रेरी को उदाहरण के रूप में शामिल किया जाना एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मॉड्यूल के कवर पेज पर 'मुस्कानालय' की तस्वीरें प्रकाशित होने से विद्यालय के शिक्षक, छात्र और स्थानीय समुदाय में खासा उत्साह है।

बीते शैक्षिक सत्र में तत्कालीन प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं आदर्श शिक्षक आनंद कुमार मिश्र ने स्थानीय समुदाय के सहयोग से इस पुस्तकालय की स्थापना की थी। यह पुस्तकालय उनके एवं सीमा बाजपेयी द्वारा संचालित मिशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत विकसित किया गया। आनंद कुमार मिश्र ने अपने लेख में बताया है कि किस तरह सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने का सतत प्रयास किया गया। पुस्तकालय को केवल किताबों का संग्रह न बनाकर बच्चों की कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और अभिव्यक्ति को बढ़ाने का केंद्र बनाया गया। नियमित पठन गतिविधियां, कहानी पाठ, संवाद, लेखन अभ्यास और रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के वाचन और लेखन कौशल को विकसित किया गया।

वर्तमान में प्रयागराज स्थित आईएएसई में परिषदीय एवं माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को इसी ग्रंथागार मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें 'मुस्कानालय' को एक आदर्श पुस्तकालय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में भी इसी तरह नवाचार के साथ पुस्तकालयों को शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र बना सकें।

इनसेट

नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की पहचान हैं आनंद कुमार मिश्र

प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के

स्वॉट टीम और कोतवाली पुलिस ने अवैध पिस्टल सप्लाई करने वाले दो बदमाश दबोचे : राजस्थान से अवैध पिस्टल खरीदकर बदमाशों को करते हैं सप्लाई

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के पास से कोतवाली पुलिस और स्वॉट टीम ने अवैध पिस्टल बेचने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए शातिरों के कब्जे से अवैध पिस्टल बरामद हुई हैं। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले बदमाशों की तलाश में सुराग तलाश रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के पास चाय की दुकान पर दो शातिर बदमाश, अवैध हथियारों को बेचने के लिए आए हुए हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र

और स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम में चौकी प्रभारी कृष्णानगर विपिन तोमर, एसआई मुश्ताक मेहंदी, मुख्य आरक्षी प्रमोद कुमार, महेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र कुमार और स्वॉट टीम के मुख्य आरक्षी हरजेन्द्र सिंह, दुर्विजय सिंह, अखिल प्रताप सिंह, रमन चौधरी, योगेश कुमार और आशुतोष के साथ वहां पहुंच गए। स्वॉट टीम और कोतवाली पुलिस ने अवैध हथियार बेचने वाले बदमाशों को संयुक्त कार्रवाई करते हुए घेरा तो शातिर बदमाश भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे अवैध हथियार तस्कर शातिर बदमाश विनोद उर्फ पेंदू पुत्र सुखराम सिंह निवासी गांव फालैन थाना कोसीकलां और अंकित उर्फ अक्की डॉन पुत्र नरेन्द्र सिंह निवासी मोहल्ला गांगवान, कस्बा कोसीकलां थाना कोसीकलां को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों की तलाशी ली तो उनके पास से 32 बोर की तीन अवैध पिस्टल और एक 22 बोर की अवैध पिस्टल बरामद हुई हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी ने बताया कि पकड़े गए शातिर बदमाशों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि राजस्थान के गांव मूसेपुर के रहने वाले बिंदास नाम के व्यक्ति से वह अवैध पिस्टल लेकर आते हैं और यहां लाकर अच्छे दामों में बेंच देते हैं। उन्होंने कहा कि पकड़े गए शातिर बदमाशों को राजस्थान के रहने वाले बिंदास से धीरज निवासी पाऊंड्री जिला पलवल (हरियाणा), हाल निवासी करमन होडल (हरियाणा) और मनोज निवासी करमन होडल (हरियाणा) ने मिलवाया था, जिसमें पकड़े गए शातिरों के गांव फालैन का अमन पुत्र मदन भी शामिल है।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील महसी में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

(जीएनएस)।

बहराइच 17 जनवरी। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए तहसील महसी में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी आलोक प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद, जिला विकास अधिकारी राज कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ आए हुए फरियादियों के समस्याओं की गंभीरता पूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए।

डीएम श्री त्रिपाठी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाये। डीएम ने कहा कि निस्तारण की कार्यवाही इस प्रकार की जाय कि फरियादी निस्तारण की कार्यवाही से संतुष्ट हो सके। डीएम ने निर्देशित किया जनसुनवाई में आने वाले जरूरतमन्द तथा असहाय लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाये तथा उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं से लाभान्वित करें।

इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय, डीएसओ नरेन्द्र तिवारी, डीपीओ निहारिका विश्वकर्मा, जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ला, एलडीएम जितेन्द्र मंसद व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, बीईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्ष मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि तहसील महसी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 45 में 02, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में प्राप्त 16 में 01, कैसरगंज में 21 में 04, पयागपुर में 20 में 04, नानपारा में 30 में 06 तथा तहसील सदर में प्राप्त 12 प्रार्थना-पत्रों में से 02 का निस्तारण मौके पर किया गया।

आबकारी टीम और कोसीकलां पुलिस ने दबोचा अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर : कार से बरामद हुई अवैध शराब की खेप

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोसीकलां क्षेत्र स्थित कोटवन बॉर्डर के पास से कोसीकलां पुलिस और आबकारी टीम ने एक अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर को दबोच लिया। पकड़े गए तस्कर के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब और तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी उपेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोसीकलां राजकमल सिंह और आबकारी निरीक्षक अंजली शर्मा पुलिस टीम के साथ अवैध शराब तस्करों की तलाश में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि दिल्ली की ओर से अवैध शराब की खेप लेकर एक तस्कर आगरा की ओर जाने वाला है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजकमल सिंह और आबकारी निरीक्षक अंजली शर्मा पुलिस टीम में चौकी प्रभारी कोटवन मनोज शर्मा, मुख्य आरक्षी सतीशचन्द्र, राकेश कुमार, सौरभ और आबकारी टीम के आरक्षी के साथ कोटवन बॉर्डर पर पहुंच गए और बैरियर लगाकर सघन चेकिंग शुरू कर दी। उसी दौरान दिल्ली की ओर से तेजरफ्तार में आ रहे सोनेट कार को पुलिस टीम ने रोका तो शातिर तस्कर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा करके घेराबंदी करते हुए अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर रविन्द्र पुत्र कृपाल सिंह निवासी गुलावद थाना हसनपुर जिला पलवल (हरियाणा) को दबोच लिया। पुलिस ने पकड़ी गई कार की चेकिंग की तो उसमें से हरियाणा निर्मित अवैध विदेशी मदिरा की 13 पेटी बरामद हुई। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

विद्युत विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव- गोरखपुर के अधीक्षण अभियंता एल.बी. सिंह बने मिजार्पुर के नवागत मुख्य अभियंता

मिजार्पुर ` उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत एक अहम प्रशासनिक निर्णय में गोरखपुर जनपद में लगभग तीन वर्षों से अधीक्षण अभियंता के पद पर तैनात रहे एल.बी. सिंह को मिजार्पुर का नया मुख्य अभियंता नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति को मिजार्पुर मंडल की विद्युत व्यवस्था के लिए एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है।

संवेदनशील एवं वीआईपी जनपद गोरखपुर में अपने कार्यकाल के दौरान एल.बी. सिंह ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने जहां ट्रिपिंग, ओवरलोडिंग और फाल्ट की समस्याओं पर सख्त नियंत्रण किया, वहीं राजस्व वसूली में भी ऐतिहासिक सुधार दर्ज कराया। लंबित शिकायतों के त्वरित समाधान और उपभोक्ताओं को समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने को उन्होंने सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

अपनी स्वच्छ छवि, सख्त कार्यशैली और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए पहचाने जाने वाले एल.बी. सिंह अधिकारियों, कर्मचारियों और आम उपभोक्ताओं के बीच भरोसे का मजबूत नाम बन चुके हैं।

अब मां विंध्यवासिनी की पावन नगरी मिजार्पुर में मुख्य अभियंता के रूप में नई जिम्मेदारी संभालते हुए उनसे अपेक्षा की जा रही है कि वे यहां भी बिजली आपूर्ति को निर्बाध, विश्वसनीय और उपभोक्ता-केंद्रित बनाएंगे। राजस्व सुधार, नेटवर्क सुदृढ़ीकरण और सेवा गुणवत्ता के क्षेत्र में मिजार्पुर को एक नई पहचान दिलाने की दिशा में उनके प्रयास निर्णायक साबित हो सकते हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चालक फरार

(जीएनएस)।

प्रयागराज। प्रयागराज के चौफटका पुल पर एक बार फिर तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र केबलुआ घाट सब्जी मंडी निवासी अजीत सिंह अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में चौफटका पुल पर एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी और चालक ने लापरवाही से वाहन चलाया।

हादसे को अंजाम देने के बाद कार चालक मौके से अपनी कार लेकर भाग निकला। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने घायल अजीत सिंह को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है और परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

पुलिस अब आरोपी कार चालक और उसकी कार की तलाश में जुटी हुई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एआईआईए ने आयुर्वेद आधारित स्टार्टअप्स के लिए एमएसएमई अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026 मनाया

(जीएनएस)।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026 के अवसर पर अपने स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर, आयुर्वेद इनोवेशन एंड एंट्रीप्रिनियोरशिप इनक्यूबेशन सेंटर (एआईआईए-आईसीएआईएनई) के माध्यम से, नई दिल्ली परिसर में आयुर्वेद आधारित स्टार्टअप के लिए लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) अवसरों पर एक जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में नीति निमार्ता, शिक्षाविद, स्टार्टअप समर्थक और इच्छुक उद्यमी एमएसएमई और स्टार्टअप तंत्र को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आए। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद और एकीकृत स्वास्थ्य नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया गया। इन सत्रों में सरकारी सहायता योजनाओं, नवाचार के लिए संस्थागत तंत्र, बौद्धिक संपदा संरक्षण, प्रमाणन और मानकीकरण आवश्यकताओं और प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप के लिए आवश्यक वित्तीय तंत्रों के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अरुण कुमार के स्वागत भाषण से हुआ। अपने संबोधन में डॉ. अरुण कुमार ने आयुर्वेद में नवाचार-संचालित उद्यमिता के बारे में बताया। एमएसएमई के उप निदेशक श्री सुनील कुमार ने आयुर्वेद आधारित उद्यमों से संबंधित एमएसएमई पहलों और सरकारी योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। प्रो. मंजुषा राजगोपाला ने आयुर्वेद संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के शैक्षणिक और संस्थागत दृष्टिकोण को साझा किया।

एमएसएमई के संयुक्त निदेशक डॉ. आर.के. भारती ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्टार्टअप और एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत नीति-समर्थित तंत्र विशेष रूप से पारंपरिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया।

रविवार 1 फरवरी को भी खुलेगा शेयर बाजार, 9 साल बाद होगा वर्किंग संडे

(जीएनएस)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2026 को यूनियन बजट (Union Budget) पेश करेंगी। खास बात यह है कि इस बार बजट का दिन रविवार है, लेकिन इसके बावजूद देश के प्रमुख शेयर बाजार खुले रहेंगे।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने साफ कर दिया है कि 1 फरवरी को सामान्य कारोबारी दिनों की तरह ही ट्रेडिंग होगी। यह हाल के वर्षों में एक दुर्लभ अवसर है, जब शेयर बाजार रविवार को काम करेगा।

इस दिन सिर्फ इक्विटी मार्केट ही नहीं, बल्कि फ्यूचर एंड ऑप्शंस , करेंसी डेरिवेटिव्स और कमोडिटी डेरिवेटिव्स समेत सभी सेगमेंट्स में कारोबार होगा। बजट जैसे बड़े आर्थिक आयोजन के दिन बाजार को खुला रखने का मकसद यह है कि निवेशक बजट में की गई घोषणाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकें।

बाजार के समय में कोई बदलाव नहीं होगा

BSE और NSE दोनों ने इस संबंध में अलग-अलग सर्कुलर जारी किए हैं। एक्सचेंजों के मुताबिक, बजट वाले दिन यानी 1 फरवरी को बाजार के ट्रेडिंग टाइम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बाजार बिल्कुल सामान्य दिनों की तरह ही खुलेगा और बंद होगा। ट्रेडिंग का शेड्यूल इस प्रकार रहेगा-

प्री-ओपन सेशनः सुबह 9:00 बजे से 9:08 बजे तक

नॉर्मल ट्रेडिंग सेशनः सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक

पोस्ट-क्लोजिंग सेशनः दोपहर 3:40 बजे से शाम 4:00 बजे तक

हालांकि, BSE ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस दिन टी+0 सेटलमेंट सेशन और सेटलमेंट डिफॉल्ट के लिए ऑक्शन सेशन नहीं होंगे। इसके अलावा क्लियरिंग और सेटलमेंट साइकिल में भी कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

2017 के बाद पहली बार रविवार को खुलेगा बाजार

यह पिछले करीब 9 वर्षों में पहला मौका होगा जब केंद्रीय बजट के लिए शेयर बाजार रविवार को खुलेगा। इससे पहले साल 2017 में भी 1 फरवरी रविवार था और उस दिन भी बाजार में ट्रेडिंग कराई गई थी। आमतौर पर शेयर बाजार शनिवार और रविवार को बंद रहते हैं, लेकिन बजट के लिए एक्सचेंज 'स्पेशल ट्रेडिंग डे' घोषित करते हैं।

NSE और BSE की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, 1 फरवरी को इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी और कमोडिटी समेत सभी सेगमेंट्स में कारोबार होगा। यानी निवेशकों और ट्रेडर्स को किसी भी तरह की पाबंदी या समय में बदलाव का सामना नहीं करना पड़ेगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

बचत का गिरता ग्राफ

कर्ज की बुनियाद पर खड़ा भविष्यः सिमटती बचत और खोखला होता युवा भारत, सब जानते हैं कि भारत की पहचान कभी 'बचत करने वाले समाज' के रूप में थी। हमारे संस्कारों में यह रचा-बसा था कि कमाओ दस, तो बचाओ चार। लेकिन आज की चकाचौंध ने इस जीवन दर्शन को उलट दिया है। आज का मंत्र है- कमाओ दस, तो उड़ाओ बीस। यह लेख केवल युवाओं की बिगड़ती आदतों पर नहीं, बल्कि उस आर्थिक गर्त पर है जिसमें हमारा राष्ट्र अनजाने में गिर रहा है। बचत का गिरता ग्राफः हालिया आर्थिक आंकड़े बताते हैं कि भारत की शुद्ध घरेलू बचत जीडीपी के अनुपात में दशकों के निचले स्तर पर आ गई है। जब किसी देश की घरेलू बचत गिरती है, तो इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए हमारे पास सुरक्षा कवच नहीं है। जिस समाज के पास बचत नहीं होती, वह समाज अपनी आजादी अंततः साहूकारों और विदेशी शक्तियों के पास गिरवी रख देता है। आज का युवा वर्ग जीडीपी के विकास में योगदान तो दे रहा है, लेकिन वह योगदान 'उत्पादन' से अधिक अंधाधुंध उपभोग पर आधारित है। यह विकास नहीं हो सकता। कोरोना की त्रासदी और अधूरी सीख- माना जा रहा था कि कोरोना संकट के भयावह दौर के बाद लोग जीवन की नश्वरता और आर्थिक सुरक्षा के महत्व को समझेंगे। लेकिन हुआ उल्टा, जोकि दुखद है। महामारी के बाद 'रिवेंज स्पेंडिग' का दौर आया जिसने युवाओं को विवेकहीन बना दिया। संकट से सीख लेने के बजाय, लोगों ने कल किसने देखा है के नाम पर और अधिक फिजूलखचा शुरू कर दी। परिणामस्वरूप जिस पैसे को स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा में लगना चाहिए था, वह पब, परटियों, महंगे गैजेट्स और लग्जरी कारों में बह रहा है। जेन-जी और डिजिटल गुलामी का मायाजाल - आज की पीढ़ी ऑनलाइन लोन और क्रेडिट कार्ड के उस दलदल में पंसी है जहाँ से निकलना नामुमकिन सा होता जा रहा है। आज का युवा अपनी औकात से बाहर जाकर केवल लाइक और कमेंट्स के लिए खर्च कर रहा है। नशे का व्यापारः नशे ने युवाओं की निर्णय लेने की क्षमता को खत्म कर दिया है।

एक तरफ शरीर बीमारियों का घर बन रहा है और दूसरी तरफ दिमाग कर्ज की किश्तों के बोझ तले विवेकशून्य हो रहा है। अनुशासनहीन जीवनः रातों में पाटा, दिन में देर तक सोना और धूम्रपान को 'वूल' समझना यह आधुनिकता नहीं, बल्कि आत्मघाती मानसिक रोग है। यह एक कड़वा सच है कि सरकार की वुछ नीतियां भी जाने-अनजाने में इस उपभोगवाद की आग में घी डाल रही हैं। हर तरफ से केवल खर्च करो का शोर है। विज्ञापन और ई-कॉमर्स वंपनियां युवाओं को अपनी लालच के जाल में पंसा रही हैं।

बचत योजनाओं का अभावः सरकार को उपभोग के बजाय बचत पर आधारित प्रोत्साहनों की झड़ी लगानी चाहिए। जिस तरह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ एक अभियान बना, वैसे ही युवा बचाओ, बचत बढ़ाओ' को एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाना होगा। सनातन माग:अंतिम विकल्प - भारतीय संस्वृति ने सदैव संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। रामायण में भरत का चरित्र हो या विदुर नीति, हर जगह धन के अपव्यय को पाप माना गया है।

ठमितम ददाति ही पिता, मितम भ्राता मितम सुतः। अमितस्य हि दातारं भतार्रं का न पूजयेत ?ठ यदि आज हमने बचत नहीं की, तो कल हम अपनी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भी कर्ज लेंगे। कर्ज पर टिका जीवन कभी भी 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना पूरा नहीं कर सकता। अगर अब भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां केवल 'उपभोत्ता' बनकर रह जाएंगी, 'उत्पादक' नहीं। युवाओं को समझना होगा कि नशे की लत और डिजिटल त्रण आपको तात्कालिक खुशी तो दे सकते हैं, लेकिन वे आपको और आपके परिवार को धीरे-धीरे आर्थिक आत्मघात की ओर ही धकेल रहे हैं।

विंग्स इंडिया 2026 नई ऊँचाइयां छूने को तैयारः एशिया का सबसे बड़ा नागर विमानन आयोजन वैश्विक विमानन के भविष्य को प्रदर्शित करेगा

विंग्स इंडिया की थीमः 'इंडियन एविएशनः पेविंग द फ़्यूचर - फ्रॉम डिजाइन टु डेप्लॉयमेंट, मैन्यूफैक्चरिंग टु मेंटिनेंस, इंक्ल्यूसिविटी टु इनोवेशन एण्ड सेफ़्टी टु सस्टेनेबिलिटी'

(जीएनएस)।

एशिया के सबसे बड़े नागर विमानन कार्यक्रम 'विंग्स इंडिया 2026' का औपचारिक शुभारंभ, भारत तथा विदेश के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में, नागर विमानन मंत्री श्री राममोहन नायडू के नेतृत्व में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ किया जाएगा। यह शुभारंभ हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर 28 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय वैश्विक विमानन सम्मेलन की शुरूआत का प्रतीक होगा।

'इंडियन एविएशनः पेविंग द फ़्यूचर - फ्रॉम डिजाइन टु डेप्लॉयमेंट, मैन्यूफैक्चरिंग टु मेंटिनेंस, इंक्ल्यूसिविटी टु इनोवेशन एण्ड सेफ़्टी टु सस्टेनेबिलिटी' विषय पर आधारित, विंग्स इंडिया 2026 भारत के तीव्र गति से विस्तार पाते विमानन परिदृश्य, उसकी बढ़ती वैश्विक उपस्थिति तथा विनिर्माण, सेवाओं, नवाचार और स्थायी विमानन समाधानों के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने के उसके विजन को रेखांकित करेगा।

विमानन उत्कृष्टता के लिए एक वैश्विक मंच

विंग्स इंडिया 2026 में एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, स्थिर विमान प्रदर्शन, उड़ान एवं एरोबेटिक शो, उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सीईओ राउंडटेबल चर्चाएँ, बी2बी और बी2जी बैठकें, विमानन रोजगार मेला, पुरस्कार समारोह तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे। विश्वभर से प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों की उपस्थिति अपेक्षित है, जो इस आयोजन की प्रतिष्ठा को एक प्रमुख वैश्विक विमानन मंच के रूप में और सुदृढ़ करेगी।

विमानन मूल्य श्रृंखला के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय हितधारक इस आयोजन में भाग लेंगे, जिनमें एयरलाइंस, विमान एवं इंजन निमार्ता, एमआरओ, हवाई अड्डा विकासकर्ता, ओईएम, प्रौद्योगिकी प्रदाता, प्रशिक्षण संस्थान तथा सर्विस पार्टनर्स शामिल हैं। यह आयोजन नीति-निमार्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं, नवप्रवर्तकों और निवेशकों के लिए एक समन्वय मंच के रूप में कार्य करेगा, जहाँ भारत और विश्व स्तर पर नागर विमानन के भविष्य को आकार देने वाले उभरते रुझानों, अवसरों तथा सहयोगात्मक मार्गों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्लोबल सीईओ फोरम और मंत्रिस्तरीय पूर्ण सत्र के अलावा 13 विषयगत सत्र होंगे, जिनमें हवाई अड्डे, विमान पट्टे पर देना, हेलीकॉप्टर, एयरलाइंस, विमानन में महिलाएं, एमआरओ, हवाई माल परिवहन, व्यावसायिक विमानन और छोटे विमान, विमान घटक निर्माण, सतत विमानन ईंधन (एसएएफ), उड़ान प्रशिक्षण और कौशल विकास, उन्नत हवाई आवाजाही और ड्रोन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा।

सशक्त अंतरराष्ट्रीय एवं राज्य-स्तरीय सहभागिता

'विंग्स इंडिया 2026' में कई देशों के मंत्री स्तरीय विदेशी प्रतिनिधिमंडल और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, साथ ही 20 से अधिक देशों के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भाग लेंगे, जिससे विमानन क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय राज्यों की सक्रिय भागीदारी से देश भर के विमानन आधारित विकास, निवेश के अवसर और अवसंरचना विकास का प्रदर्शन किया जाएगा।

भव्य हवाई करतब प्रदर्शन एवं विमान प्रदर्शनी

विंग्स इंडिया 2026 में विभिन्न प्रकार के विमानों को प्रदर्शित करते हुए, शानदार स्थिर विमान प्रदर्शन, उड़ान प्रदर्शन तथा एरोबेटिक हवाई करतब आयोजित किए जाएंगे। प्रमुख आकर्षणों में भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम द्वारा प्रस्तुत हवाई प्रदर्शन शामिल होंगे।

यह आयोजन प्रदर्शनी, शैलेट तथा बी2बी/बी2जी बैठकों के लिए समर्पित मंच उपलब्ध कराएगा, जिससे व्यावसायिक नेटवर्किंग और साझेदारियों तथा निवेशों से संबंधित चचाएं सुगम हो सकेंगी। विमानन रोजगार मेला उद्योग जगत के नेताओं को विमानन पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े युवा पेशेवरों और कुशल प्रतिभाओं से जोड़ने का काम करेगा।

छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई नागर विमानन नवाचार चुनौती का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य छात्रों और युवा पेशेवरों में नवाचार, समस्या-समाधान तथा उद्योग-उन्मुख सोच को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ, उन्हें वास्तविक विमानन चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना भी है।

इस आयोजन में भारत की समृद्ध विरासत को प्रतिबिंबित करने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल होंगे, जो इस कार्यक्रम में प्रतिनिधियों तथा आगंतुकों को विमानन प्रदर्शनों के साथ-साथ एक विशिष्ट अनुभव प्रदान करेंगे।

नागर विमानन क्षेत्र में उत्कृष्टता और उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह का भी आयोजन किया जाएगा।

अपने व्यापक स्तर, विविधता और रणनीतिक दृष्टि के साथ, विंग्स इंडिया 2026 एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में उभरने जा रहा है, जो न केवल भारत की विमानन विकास गाथा को प्रदर्शित करेगा, बल्कि वैश्विक साझेदारियों को सुदृढ़ करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा नागर विमानन क्षेत्र की भावी दिशा को रेखांकित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर दूसरा वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन 24-25 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शिखर सम्मेलन का उद्घाटन कर सकते हैं

(जीएनएस)।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ (आईबीसी), भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से, 24 और 25 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में दूसरा वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन (जीबीएस) आयोजित करेगा।

आधुनिक दुनिया तेजी से सामाजिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय बदलाव देख रही है, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष, अलगाव और अनिश्चितता पैदा हो रही है। इस संदर्भ में, करुणा, ज्ञान और सद्भाव में निहित बुद्ध धम्म का कालातीत ज्ञान, समकालीन वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करता है। सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज और आपसी सह-अस्तित्व के सिद्धांत शांति, साझा समृद्धि और गहरे मानवीय जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बने हुए हैं।

इन्हीं मूलभूत विचारों के आधार पर, दूसरा वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसका विषय है-"सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज और आपसी सह-अस्तित्व"। यह विषय सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने और रचनात्मक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव को बढ़ावा देने में बौद्ध दर्शन की प्रासंगिकता को मजबूत करना चाहता है।

आईबीसी के आदर्श वाक्य - "सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज" के अनुरूप, शिखर सम्मेलन को वैश्विक मंच के रूप में देखा गया है जो संगठन की एकता, संवाद और सामूहिक ज्ञान

के प्रति स्थायी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। 2023 में आयोजित पहले शिखर सम्मेलन की तरह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शिखर सम्मेलन का उद्घाटन कर सकते हैं।

इस शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से लगभग 200 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उनमें सुप्रीम पैट्रिआर्क, राष्ट्रीय बौद्ध संघों के प्रमुख, जाने-माने भिक्षु, विद्वान और वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे, और कुल मिलाकर 800 से ज्यादा प्रतिभागी होंगे।

दूसरा जीबीएस राज्य नेताओं, संघ के सदस्यों, धम्म का पालन करने वालों और बौद्ध विद्वानों को एक साथ लाएगा ताकि आज मानवता के समक्ष कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों पर बौद्ध दृष्टिकोण से चर्चा की जा सके। चर्चा में यह पता लगाया जाएगा कि बुद्ध धम्म के मौलिक मूल्य कैसे तेजी से तकनीकी प्रगति, उपभोक्तावाद और पर्यावरण गिरावट वाले युग में नैतिक नेतृत्व, सामाजिक सद्भाव और स्थायी जीवन को प्रेरित कर सकते हैं।

कार्यक्रम का विवरण

- विषयः सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज, और आपसी सह-अस्तित्व
- तिथिः 24-25 जनवरी 2026
- स्थानः भारत मंडपम, नई दिल्ली - 110001

मुख्य पैनलिस्ट और वक्ताओं में शामिल हैं:

- महामहिम श्री मारिस संगियामपोंगसा, पूर्व विदेश मंत्री, थाईलैंड साम्राज्य
- परम पूजनीय थिच डुक थिएन, पद्म श्री, वियतनाम की नेशनल असेंबली के सदस्य और उपाध्यक्ष और महासचिव, वियतनाम बौद्ध संघ
- महामहिम ग्येलट्रुल जिग्मे रिनपोछे, अध्यक्ष, रिगॉन थुप्टेन माइंड्रोलिंग मठ, भारत
- महामहिम द्जोंगसर जामयांग खेंत्से रिनपोछे, संस्थापक, सिद्धार्थ इंटेंट, भूटान
- परम आदरणीय अशिन कुमारा, प्रो रेक्टर, सितागू अंतरराष्ट्रीय बौद्ध अकादमी, म्यांमार
- प्रोफेसर डॉ. सुबरन लाल बजराचार्य, कुलपति, लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, नेपाल
- रेव्ह. कोशो टोमिओका, निदेशक, जापान बौद्ध महासंघ, जापान
- मास्टर शिह जियान-यिन, महासचिव, ताइवान बौद्ध संघ
- वेन. आनंद भंते, महासचिव, महाबोधि सोसाइटी, बेंगलुरु, भारत
- प्रो. रॉबर्ट थुरमन, पद्म श्री पुरस्कार विजेता और जाने-माने बौद्ध विद्वान, संयुक्त राज्य अमरीका
- कई अन्य प्रतिष्ठित प्रतिभागी

विषयगत सत्र

निम्नलिखित पाँच मुख्य विषयों पर चर्चा आयोजित की जाएँगी:

1. सामाजिक सद्भाव के लिए सामूहिक ज्ञान और एकजुट आवाज
2. बुद्ध धम्म में उद्यमिता और सही आजीविका
3. बुद्ध धम्म में वैज्ञानिक अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा और स्थायी जीवन
4. बुद्ध धम्म के प्रकाश में सीखना
5. संघ की गतिशीलताः बुद्ध धम्म में भूमिकाएँ, रीति-रिवाज और अभ्यास

प्रदर्शनियाँ और विशेष आकर्षण

शिखर सम्मेलन में कई प्रदर्शनियाँ भी होंगी, जिनमें शामिल हैं:

- समकालीन भारत में पवित्र अवशेष और सांस्कृतिक जुड़ाव
- विरासत से विश्व तकः भारत का बुद्ध धम्म आउटरीच

इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण एनओआरबीयू (न्यूरल ऑपरेटर फॉर रिस्पॉन्सिबल बुद्धिस्ट अंडरस्टैंडिंग) का लाइव प्रदर्शन होगा - यह उँ३ऋढळ एल्गोरिदम पर आधारित भाषा सीखने का मॉडल है। व्यापक बौद्ध ग्रंथों के डेटा पर प्रशिक्षित, एनओआरबीयू को कई भाषाओं में बौद्ध शिक्षाओं के आधार पर प्रासंगिक प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किया गया है। आईबीसी ने एनओआरबीयू को अपना ग्लोबल संरक्षक बनाया है और इसे 'कल्याण मित्र' (आध्यात्मिक मित्र) नाम दिया है, जो टेक-सेवी युवाओं को बौद्ध ज्ञान से जोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

पहले बौद्ध शिखर सम्मेलन का परिचय

पहला वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन 20-21 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली में हुआ, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि थे। इस शिखर सम्मेलन में 31 देशों के 170 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें संघों के सर्वोच्च प्रमुख, आध्यात्मिक गुरु, जाने-माने विद्वान और आम लोग शामिल थे। 'समकालीन चुनौतियों के जवाबः दर्शन से व्यवहार तक' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में आधुनिक सामाजिक मुद्दों पर बौद्ध सिद्धांतों को लागू करने पर सार्थक बातचीत हुई।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ (आईबीसी) का परिचय

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ (आईबीसी) ग्लोबल बौद्ध अम्ब्रेला संगठन है जिसका मुख्यालय भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में नई दिल्ली में है। 2011 में सर्वोच्च बौद्ध धार्मिक पदानुक्रम के संरक्षण में स्थापित, आईबीसी के 300 से ज्यादा मठवासी और आम संगठनों की ग्लोबल सदस्यता है। "सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज" के आदर्श वाक्य से एकजुट, आईबीसी का लक्ष्य बौद्ध मूल्यों को वैश्विक चर्चा में शामिल करना है, जो दुनिया भर में परंपराओं, लिंगों और उभरते बौद्ध समुदायों में पारदर्शिता, समावेशिता और संतुलित प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देता है।

रक्षा सचिव ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया

(जीएनएस)।

रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह ने आज दिल्ली कैंट स्थित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) 2026 का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत किए गए शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन कैडेट्स की लगन, प्रतिभा, अनुशासन और उत्साह को दशार्ता है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और एनसीसी के ध्येय वाक्य 'एकता और अनुशासन' का जीवंत प्रतिबिंब है।

पिछले सात दशकों में एनसीसी द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना करते हुए, रक्षा सचिव ने रेखांकित किया कि एनसीसी ने युवा मानस को अनुशासन, निस्वार्थ सेवा और राष्ट्रीय गौरव के मूल्यों के साथ ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में संगठन के सक्रिय योगदान पर जोर दिया। रक्षा सचिव ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नागरिक सुरक्षा कर्तव्यों में एनसीसी कैडेट्स द्वारा दिखाए गए असाधारण

साहस और समर्पण की प्रशंसा की। साथ ही, उन्होंने यमुना सफाई अभियान, रक्तदान शिविर और केरल के वायनाड में आई बाढ़ के दौरान राहत कार्यों जैसी सरकारी पहलों में उनके उत्कृष्ट योगदान को भी सराहा। कैडेट्स की बहुमुखी प्रतिभा का उल्लेख करते हुए उन्होंने शूटिंग, हॉकी और घुड़सवारी जैसे खेलों में उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने पर्वतारोहण, नौकायन और पैराशूटिंग जैसी साहसिक गतिविधियों पर एनसीसी के ध्यान की भी प्रशंसा की, जो युवाओं को फिटनेस, अनुशासन और दृढ़ता की ओर प्रेरित करने में मदद करते हैं।

अपने संबोधन के समापन में, श्री राजेश कुमार सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि एनसीसी द्वारा विकसित किए गए मूल्य जीवन भर बने रहते हैं और ऐसे जिम्मेदार नेतृत्वकताओं का निर्माण करते हैं जो स्पष्ट सोच रख सकते हैं, न्यायपूर्ण कार्य कर सकते हैं और ईमानदारी व सत्यनिष्ठा को बनाए रख सकते हैं। कैडेट्स को विकसित भारत के वास्तुकार के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने उन्हें विनम्र, साहसी, जिज्ञासु और राष्ट्रीय आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के भाग के रूप में, रक्षा सचिव को कैडेट्स द्वारा विभिन्न सामाजिक जागरूकता विषयों पर आधारित 'फ्लैग एरिया' और 'हॉल ऑफ फेम' में प्रदर्शित एनसीसी के समृद्ध इतिहास और उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कैडेट्स ने स्टैटिक फंक्शनल शिप और एयरो मॉडलिंग के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया।

भारत में नदी और मुहाना क्षेत्र में पाई जाने वाली डॉलफि न के व्यापक क्षेत्र के आकलन का दूसरा अभियान बिजनौर से शुरू किया गया

(जीएनएस)।

पिछले वर्ष मार्च में गुजरात के गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पहले दौर के गणना अनुमान के परिणाम जारी किए जाने के बाद अब देश में डॉलफि न के संरक्षण को आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने आज उत्तर प्रदेश के बिजनौर से प्रोजेक्ट डॉलफि न के तहत नदी एवं मुहाना क्षेत्र में पाई जाने वाली डॉलफि न का दूसरा व्यापक अनुमान शुरू किया।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने पिछले वन्यजीव सप्ताह के दौरान देहरादून में डॉलफि न की अखिल भारतीय गणना और उसके गणना प्रोटोकॉल के दूसरे चरण का शुभारंभ किया था। इस कार्यक्रम का समन्वय भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून द्वारा राज्य वन विभागों और सहयोगी संरक्षण संगठनों डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया, आरण्यक और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के सहयोग से किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के 13 जिलों के वन

कर्मचारियों के लिए कल बिजनौर में एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसमें सर्वेक्षण की प्रगति के साथ-साथ मानकीकृत क्षेत्रीय क्षमता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक 10-15 जिलों के लिए समय-समय पर आगे प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

सर्वेक्षण की शुरूआत तीन नावों में सवार 26 शोधकताओं के साथ हुई जिन्होंने पारिस्थितिक और पर्यावास संबंधी मापदंडों को रिकॉर्ड किया और जलमग्न ध्वनिक निगरानी के लिए हाइड्रोफोन जैसी तकनीकों का उपयोग किया। पहले चरण में सर्वेक्षण बिजनौर से गंगा सागर तक गंगा के मुख्य भाग और सिंधु नदी क्षेत्र में किया जाएगा। दूसरे चरण में यह ब्रह्मपुत्र, गंगा की सहायक नदियों, सुंदरबन और ओडिशा को समाहित करेगा।

गंगा नदी डॉल्फिन के अलावा सर्वेक्षण में सिंधु नदी डॉल्फिन और इरावदी नदी डॉल्फिन की स्थिति का आकलन किया जाएगा। इसके साथ ही उनके आवास की स्थिति खतरों और उनसे संबंधित संरक्षण-प्राथमिकता वाले जीवों का भी अध्ययन किया जाएगा। यह पहल भारत के नदी पारिस्थितिकी तंत्रों के लिए साक्ष्य-आधारित संरक्षण योजना और नीतिगत कार्रवाई का समर्थन करने के लिए ठोस वैज्ञानिक आंकड़े उत्पन्न करेगी।

पिछले राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण (2021-23) में भारत में लगभग 6,327 नदी डॉलफि न की गणना कर उनकी संख्‍या दर्ज की गई, जिनमें गंगा, यमुना, चंबल, गंडक, घाघरा, कोसी, महानंदा और ब्रह्मपुत्र नदियों में पाई जाने वाली गंगा नदी डॉलफि न और ब्यास नदी में पाई जाने वाली सिंधु नदी डॉलफि न की अपेक्षाकृत कम संख्‍या शामिल है। उत्तर प्रदेश और बिहार में इनकी संख्या सबसे अधिक थी, उसके बाद पश्चिम बंगाल और असम का स्थान था जो डॉलफि न के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए गंगा बेसिन के महत्व को दशार्ता है।

भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन सिंगापुर के चांगी नौसेना बेस पर पहुंचा

यह यात्रा आसियान-भारत समुद्री सहयोग और आईओएनएस के भारत के वर्तमान नेतृत्व के अनुरूप है

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन (1टीएस), जिसमें आईएनएस तीर, आईएनएस शार्दुल, आईएनएस सुजाता और भारतीय तटरक्षक जहाज सारथी शामिल हैं, 15 जनवरी 2026 को चांगी नेवल बेस, सिंगापुर पहुंचा। स्क्वाड्रन दक्षिण पूर्व हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में प्रशिक्षण तैनाती पर है।

यह तैनाती इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि वर्ष 2026 को 'दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ (आसियान) - भारत समुद्री सहयोग वर्ष 2026' के रूप में मनाया जा रहा है।

इस यात्रा के दौरान, भारतीय नौसेना और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना (आरएसएन) के कर्मी क्षमता बढ़ाने और समुद्री सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कई बंदरगाह से संबंधित कार्यों और पेशेवर बातचीत में शामिल

होंगे। दोनों नौसेनाओं के प्रशिक्षुओं के बीच व्यवस्थित प्रशिक्षण का आदान-प्रदान, संयुक्त योग सत्र और खेल आयोजनों की एक भी योजना बनाई गई है।

सांस्कृतिक बातचीत में सिंगापुर में प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर भारतीय नौसेना बैंड द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। ये जहाज स्कूली बच्चों के प्रवास के दौरान उनके दौरे के लिए खुले रहेंगे।

सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने आगमन पर 1टीएस के प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की। वरिष्ठ अधिकारी 1टीएस और कमांडिंग अधिकारियों ने समुद्री प्रशिक्षण और सिद्धांत कमान (एमटीडीसी) के कमांडर से भी मुलाकात की। इंटरनेशनल फ्यूजन सेंटर के अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अधिकारियों की एक टीम द्वारा यात्रा के दौरान पेशेवर अनुभव साझा किए गए।

यात्रा के दूसरे दिन कम्युनिटी से और रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर नेवी के साथ बातचीत हुई। इन्फॉर्मेशन फ़्यूजन सेंटर और आरएसएन संग्रहालय का भ्रमण, मैत्रीपूर्ण खेल कार्यक्रम, और श्री नारायण ओल्ड एज एंड नर्सिंग होम में एक आउटरीच कार्यक्रम मुख्य आकर्षण थे।

यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को आगे बढ़ाने के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ मजबूत समुद्री साझेदारी और निरंतर जुड़ाव को मजबूत करती है। यह दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को भी बढ़ाता है, इंडियन ओशियन नेवल सिम्पोजियम (आईओएनएस) के लिए भारत के नेतृत्व और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, साथ ही साथ यह महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण के अनुरूप समुद्री सहकारी जुड़ाव को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कंपनी सेक्रेटरी: ब्रजेश पाठक

डिप्टी सीएम ने आईसीएसआई के लखनऊ चैप्टर के नवीन भवन का किया भूमि पूजन

कहा- नया भवन आईसीएसआई की शैक्षणिक, पेशेवर गतिविधियों को देगा ऊंची उड़ान

लखनऊ। 17 जनवरी

कंपनी सेक्रेटरी कॉर्पोरेट गवर्नेंस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कंपनी के लिए साक्षात्कार आयोजित कराने हों या फिर बैठकों तथा कार्यशालाओं के लिए रिपोर्ट तैयार करना हो, सीएस का कार्य बेहद महत्वपूर्ण होता है। नियोक्ता तथा कर्मचारियों के बीच संपर्क अधिकारी के रुप में भी सीएस कार्य करते हैं। यह कहना है प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का। वे शनिवार को भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के लखनऊ चैप्टर के नवीन भवन के भूमि भूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट जगत सीएस के बिना अधूरा है। कंपनी सेक्रेटरी किसी संगठन के कॉर्पोरेट गवर्नेंस को मैनेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गोमती नगर स्थित इस नवीन भवन के माध्यम से आईसीएसआई की शैक्षणिक, पेशेवर गतिविधियों को ऊंची उड़ान प्राप्त होगी। डिप्टी सीएम ने कहा कि सीएस न केवल नियोक्ता और कर्मचारियों के बीच की समन्वय कड़ी होते हैं बल्कि कर्मचारियों के हितों के लिए भी कार्य करते हैं।

डिप्टी सीएम ने आईसीएसआई के नवीन भवन के भूमि पूजन के लिए उपस्थित सीएस को शुभाकामनाएं दीं। इस अवसर पर सेंट्रल काउंसिल के सदस्य आर० वेंकट रमन्ना जी, अध्यक्ष, लखनऊ चैप्टर (आईसीएसआई) शोभित रस्तोगी, वाइस चेयरमैन मोहित शर्मा, पूर्व अध्यक्ष सुभाष चंद्र तिवारी, सदस्य, इंफ्रा कमेटी संजय पांडेय एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी बलरामपुर एवं पुलिस अधीक्षक बलरामपुर की उपस्थिति में थाना तुलसीपुर क्षेत्रान्तर्गत एम0डी0एस0 मैरिज हॉल तुलसीपुर में हुआ सामूहिक विवाह का आयोजन

(जीएनएस)।

बलरामपुर

थाना तुलसीपुर क्षेत्रान्तर्गत एम0डी0एस0 मैरिज हॉल तुलसीपुर में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जिलाधिकारी बलरामपुर विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बड़ी

संख्या में जोड़ों ने वैवाहिक बंधन में बंधकर सामाजिक समरसता, समानता एवं सद्भाव का प्रेरणादायक संदेश दिया।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने भी नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

स्वच्छता सेनानियों ने की पहले दिन की कथा कीआरती:

(जीएनएस)। बांदा

जातिवाद के दंश को समाप्त करने के लिए बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने मवई बाईपास बांदा में आयोजित पहले दिन की कथा के समापन पर नगर पालिका के स्वच्छता सेनानियों को श्रीहनुमान जी की आरती उतारने का अवसर प्रदान किया।

आरती उतारने का सुअवसर मिलने पर स्वच्छता सेनानी गदगद हो गए। पहले दिन की कथा में पं. धीरेंद्र शास्त्री ने मंच से सनातन धर्म की अलख जगाने के लिए बांदावासियों का आ'ान किया। कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए एक-एक व्यक्ति को आगे आना होगा।

उन्होंने दूर दूर से आए पत्रों को पढ़कर लोगों की समस्याओं का सरल समाधान बताया। उन्होंने बांदा-

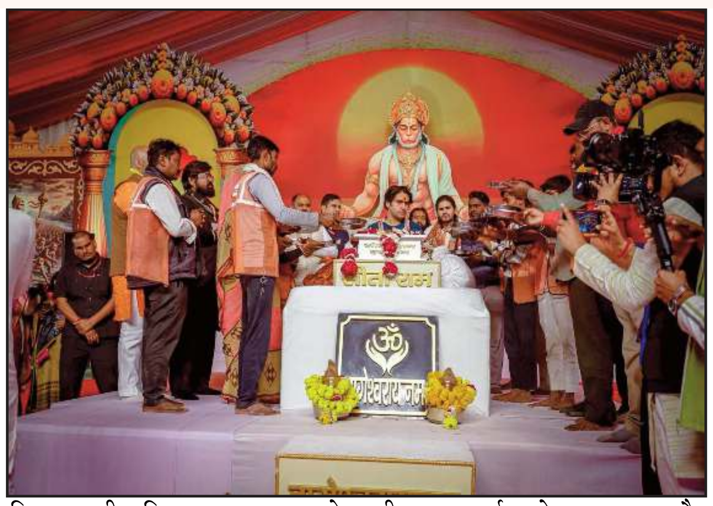

चित्रकूट की महिमा का बखान करते हुए कहा कि यह वही धरती है जहां भगवान श्रीराम को वनवास के दौरान करीब 12 वर्ष तक शरण मिली थी और इसी पावन धरती ने भगवान श्रीराम मयार्दापुरुषोत्तम बनाया है। बागेश्वरधाम सरकार ने कहा कि बिना चोट खाए कोई भी महान नहीं बन सकता।

उन्होंने अपना संस्मरण सुनाते हुए कहा कि 20 सालों तक उन्होंने खुद भी बहुत कष्ट झेला है और बालाजी की कृपा से उन्होंने मुकाम हासिल किया है।

उन्होंने हनुमान चालीसा की चौपाई संकट कटे मिटे सब पीरा की व्याख्या करते हुए संकट के समय घबराना नहीं चाहिए बल्कि संकटमोचन का ध्यान करके उनकी कृपा प्राप्त करनी चाहिए।

उन्होंने मुस्लिम समाज पर चोट करते हुए हिंदू समुदाय को हली उल्लाह वालों के चक्कर में नहीं बजरंगबली की शरण में जाने की सलाह दी। कथा के दौरान मोहक भजनों के माध्यम से बागेश्वरधाम सरकार ने सभी श्रद्धालु श्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया।

सच्चा और अच्छा गुरु रंक को भी राजा बनाने की ताकत रखता है- पं.धीरेंद्र शास्त्री

बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर ने हनुमानजी महराज को बताया दुनिया का सबसे बड़ा गुरु

मवई बाईपास में हनुमंत कथा के दूसरे दिन बागेश्वरधाम सरकार ने सुनाई धर्मकथा

(जीएनएस)।

बांदा -शहर के मवई बाईपास चौराहे पर आयोजित हनुमंत कथा के दूसरे दिन बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं.धीरेंद्र शास्त्री ने धर्म की कथा सुनाई और मयार्दापुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को धर्म की साक्षात प्रतिमूर्ति बताया। कहा कि दीनहीनों की मदद करना, दूसरे को प्रसन्नता देना ही सच्चा धर्म होता है। उन्होंने मंच से अहिंसा परमो धर्मः की सीख दी। बताया कि जो धर्म की रक्षा करता है उसकी रक्षा स्वयं धर्म करता है।

हनुमंत कथा के दूसरे दिन बागेश्वरधाम सरकार ने रोचक कथाओं के जरिए धर्म का महत्व समझाया और सभी को सनातन संस्कृति की रक्षा का संकल्प दिलाया। कथा व्यास पं.धीरेंद्र शास्त्री ने मनुष्य को अपना जीवन भगवान को समर्पित करने की सीख दी। कहा कि मनुष्य तो अपने लिए बेहतर ही सोचता है, लेकिन परमात्मा अपने भक्त के लिए बेहतरीन सोचते हैं। उन्होंने मौजूदा

पारिवारिक स्थितियों पर चर्चा करते हुए कहा कि पति-पत्नी का रिश्ता भरोसे की मजबूत डोर पर टिका होता है।

परिवार में पति-पत्नी के बीच विश्वास और भरोसे का रिश्ता कायम हो तो घर स्वर्ग से भी सुंदर बन जाता है, लेकिन जिस रिश्ते में विश्वास का आभाव हो वहां जीवन नरक से बदतर हो जाता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि रील के चक्कर में भारत का चरित्र खराब हो रहा है। बागेश्वरधाम सरकार ने परिवारों के टूटने और तलाक के बढ़ते मामलों के लिए सोशल मीडिया को जिम्मेदार बताया। कहा कि सोशल मीडिया में धोखे के मित्रों के साथ लोग अपना हसता खेलता परिवार तोड़ने का आतुर हो रहे हैं। उन्होंने जीवन को सार्थक बनाने के लिए गुरुकृपा को महत्वपूर्ण बताया। कहा कि खुद के प्रभाव या गुरुकृपा के बल पर ही भगवान की कृपा प्राप्त हो सकती है। एक सच्चा व अच्छा गुरु रंक को भी राजा बनाने की शक्ति रखता है। बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर ने स्वामी एकनाथ की कथा सुनाकर जरूरतमंदों की मदद करने की प्रेरणा दी।

प्रभारी मंत्री और जलशक्ति मंत्री ने सुनी हनुमंत कथा

शहर के मवई बाईपास चौराहे पर आयोजित बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं.धीरेंद्र शास्त्री की हनुमंत कथा सुनने के लिए जहां बांदा जनपद समेत आसपास के सभी जिलों समेत पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं, वहीं शनिवार को कथा के दूसरे दिन प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने भी यहां पहुंचकर कथा का रसपान किया और बागेश्वरधाम सरकार का आशीर्वाद प्राप्त किया। शनिवार की दोपहर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री व प्रभारी मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी कथा पंडाल पर पहुंचे और करीब दो घंटे तक कथा सागर में गोते लगाए। दो घंटे तक कथा सुनने के बाद प्रभारी मंत्री श्री नंदी ने मंच पर पहुंचकर बागेश्वरधाम सरकार का आशीर्वाद ग्रहण किया।

वहीं प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने भी कथा स्थल पर पहुंचकर बागेश्वरधाम सरकार का आशीर्वाद लिया और कथा का रसपान किया। जबकि प्रदेश सरकार में जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद कथा आयोजन के संरक्षक की भूमिका में हैं और आयोजन की तैयारियों से लेकर प्रतिदिन कथा सुनने पहुंच रहे हैं।

कथा आयोजक बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के संस्थापक भाजपा नेता प्रवीण सिंह, मुख्य यजमान प्रशांत सिंह अपने सभी परिजनों, समर्थकों और इष्टमित्रों के साथ कथा श्रवण करने पहुंचे लाखों की संख्या में श्रद्धालु श्रोताओं की व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

अज्ञात युवक की हत्या कर नदी किनारे मौजूद जंगल में शव को ठिकाने लगा हमलावर गायब

(जीएनएस)।

बांदा में अज्ञात युवक की हत्या कर नदी किनारे मौजूद जंगल में शव को ठिकाने लगा हमलावर गायब हो गए सनसनी खेज वारदात से गांव में फैली दहशत, फोरेंसिक टीम और कोतवाली पुलिस ने घटनाक्रम से जुड़े साक्ष्य एकत्र कर शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

बता दे कि नरैनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत जमवारा गांव में केन नदी के रास्ते 45 वर्षीय व्यक्ति का छत विक्षत अवस्था में झाड़ियों के पास मृत

शव गांव के चरवाहों ने पड़ा देखा।चरवाहों ने शव होने की सूचना गांव में दी।मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने शव को देखा और देखने बाद मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी।मौके पर सूचना पाकर पहुंची कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर जांच पड़ताल की।साथ शव की तलाशी ली लेकिन इस दौरान पॉकेट में कुछ नहीं मिला।शव के शिनाख्त करवाने की कोशिश पुलिस द्वारा की गई।लेकिन देर शाम तक कुछ पता नहीं चला।मौके पर से कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को कुचला, मौत

आरोपी चालक फरार, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस,

(जीएनएस)।

प्रयागराज , चौफटका पुल पर एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही कार ने एक बाइक सवार युवक की जान ले ली। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार चालक घटना को अंजाम देने के बाद वाहन सहित फरार हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार बलुआ घाट सब्जी मंडी निवासी अजीत सिंह अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। जैसे ही वे चौफटका पुल पर पहुंचे, तभी एक अनियंत्रित व तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और

मौके पर ही दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार की रफ्तार काफी तेज थी और चालक पूरी तरह लापरवाही से वाहन चला रहा था। हादसे के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और परिजनों को घटना की जानकारी दी गई।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस आरोपी कार चालक की तलाश में जुटी हुई है। घटनास्थल और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लगातार हो रहे हादसों से चौफटका पुल एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसों का हॉटस्पॉट बनता जा रहा है।

थाना अमरिया पुलिस ने चोरी की घटनाओं का किया सफल खुलासा

अभियुक्त गिरफ्तार, अवैध तमंचे, चोरी का माल, कार व मोटरसाइकिल बरामद

(जीएनएस)।

अमरिया (पीलीभीत)। थाना अमरिया पुलिस ने चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए चार अभियुक्तों को अवैध असलहों, चोरी के माल तथा घटना में प्रयुक्त कार व मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में चलाए जा रहे अपराध निरोधक अभियान के तहत की गई।

थाना अमरिया पुलिस टीम द्वारा दिनांक 17 जनवरी 2026 को संदिग्ध वाहन व व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान कस्बा क्षेत्र अमरिया की ओर से आ रही एक पल्सर मोटरसाइकिल संख्या यूके 06 ए डी 1489 तथा एक ऑल्टो कार एलएक्सआई संख्या यूके14 ए एच 5897 को ग्राम माधोपुर चौराहा के पास रोका गया। वाहन में सवार चारों युवकों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम इस प्रकार हैं—

1. अशरीफ पुत्र अय्यूब, उम्र लगभग 19 वर्ष, निवासी ग्राम केवटांडा, थाना अमरिया, जनपद पीलीभीत
2. अनुज पुत्र सुरेशपाल, उम्र लगभग 21 वर्ष, निवासी ग्राम टांडा, थाना अमरिया, जनपद पीलीभीत
3. गंगारसन पुत्र चोखेलाल, उम्र लगभग 23 वर्ष, निवासी ग्राम भगौतीपुर धुरा, थाना अमरिया, जनपद पीलीभीत
4. सूरज पुत्र शेरसिंह राठौर, उम्र लगभग 19 वर्ष, निवासी ग्राम दिघरनिया, थाना अमरिया, जनपद पीलीभीत

पूछताछ में अभियुक्तों ने चोरी की घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस द्वारा की गई जामा-तलाशी के दौरान अभियुक्त अशरीफ के पास से एक तमंचा .315 बोर व एक जिंदा कारतूस तथा अभियुक्त अनुज के पास से एक तमंचा 12 बोर व एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

इसके अतिरिक्त, घटना में प्रयुक्त ऑल्टो कार की तलाशी लेने पर वाहन से 06 सिलाई मशीनें, 01 कपड़ा काटने की लिपु मशीन, 01 इन्वर्टर, 02 बैटरियां तथा 01 स्टेबलाइजर बरामद किए गए। बरामद कार एवं मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के अंतर्गत सीज कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, उक्त मामले में पहले से पंजीकृत मुकदमा संख्या 15/2026, धारा 305(ए)/331(4) बीएनएस में गिरफ्तार अभियुक्तों से हुई बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस तथा 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई है। सभी अभियुक्तों को अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। स्थानीय लोगों ने अमरिया पुलिस की तत्परता और कार्यशैली की सराहना की है।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने जागरण फोरम का उद्घाटन किया, सकारात्मक राष्ट्र निर्माण संवाद का आह्वान किया

उपराष्ट्रपति ने उत्तराखंड के रणनीतिक, आध्यात्मिक और विकासात्मक महत्व पर प्रकाश डाला

देवभूमि उत्तराखंड सत्यम, शिवम और सुंदरम का प्रतीक है: उपराष्ट्रपति

युवाओं को प्रेरित करने के लिए मीडिया को सकारात्मक कथानकों को बढ़ावा देना चाहिए: उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज उत्तराखंड के देहरादून में जागरण फोरम का उद्घाटन किया, जिसका आयोजन राज्य के गठन के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया था। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उन्होंने उत्तराखंड को त्याग, सहनशक्ति और राष्ट्र सेवा की भूमि बताया और इस महत्वपूर्ण अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई दी।

उत्तराखंड के निर्माण को याद करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्य का गठन पहाड़ के लोगों की

लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं के प्रति एक लोकतांत्रिक प्रतिक्रिया थी और इसने भारत की संघीय प्रणाली की ताकत को फिर से साबित किया। उन्होंने इस प्रक्रिया के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी साझा किया, क्योंकि लोकसभा सदस्य के रूप में सेवा करते हुए उन्होंने उत्तराखंड के निर्माण के विधेयक के पक्ष में वोट दिया था।

देवभूमि उत्तराखंड के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह राज्य भारत की सभ्यतागत चेतना में एक विशेष स्थान रखता है। वैदिक और पौराणिक परंपराओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सत्यम, शिवम और सुंदरम के सार को दशार्ता है। उन्होंने राज्य के पारिस्थितिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इसके ग्लेशियर, नदियाँ और जंगल इसकी भौगोलिक सीमाओं से कहीं आगे जीवन को बनाए रखते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के दूरदर्शी नेतृत्व में, राज्य ने सड़क, रेल, हवाई और संचार कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व प्रगति देखी है।

विकास पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय जिम्मेदारी के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने हरित विकास को बढ़ावा देने में उत्तराखंड के प्रयासों की सराहना की, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में, और सकल घरेलू उत्पाद के साथ-साथ सकल पर्यावरणीय उत्पाद की अवधारणा करने वाला देश का पहला राज्य होने के लिए राज्य की प्रशंसा की।

दबंग ग्राम प्रधान पर उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आदेश बे असर कर लिया तालाब की जमीन पर कब्जा

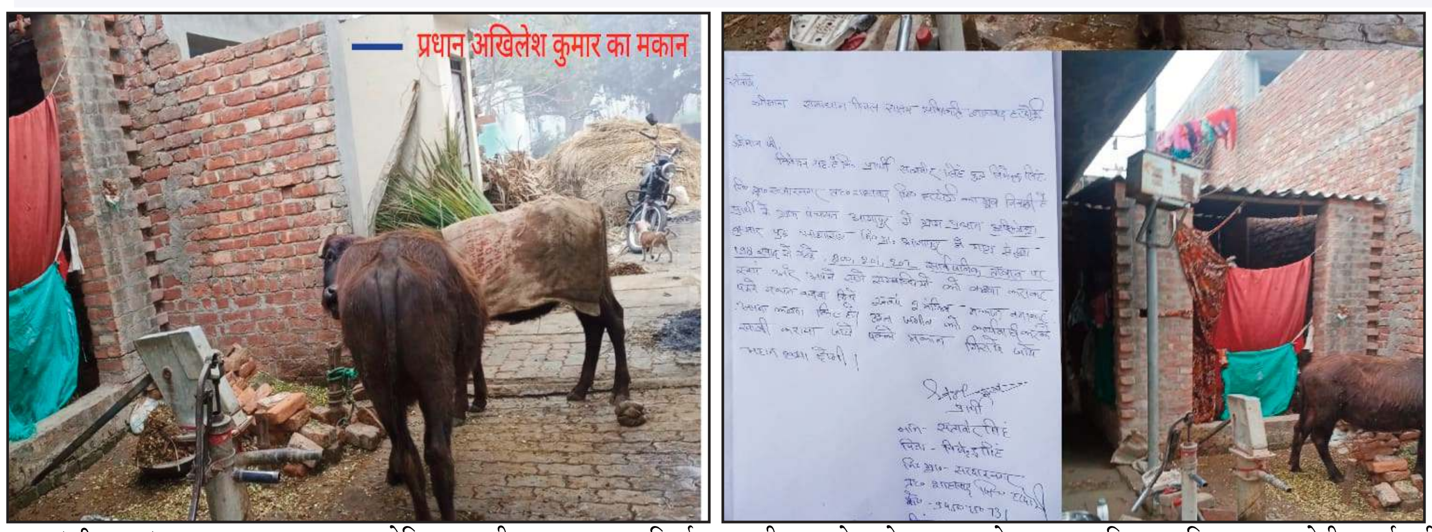

(जीएनएस)।

हरदोई। शाहाबाद तहसील की ग्राम पंचायत आगापुर के दबंग प्रधान अखिलेश कुमार ने सार्वजनिक तालाब पर कब्जा करके पक्का 2 मंजिल मकान बना दिया राजस्व प्रशासन देखते रहे गए, देते रहे नोटिस गजब की बात यह रही वर्तमान समय में ग्राम प्रधान बीजेपी सरकार से लिंक होने के कारण अपना जलवा ग्राम वासियों को दिखाकर कई अन्य ग्राम वासियों के नोटिस जारी करवाकर निर्माण रुकवाकर अपना स्वयं और अपने भाई, चाचा के पक्के मकान बनवा दिया प्रशासन टक टकी लगाकर बैठा रहा कोई कार्यवाही नहीं कर सके राजस्व कर्मचारी ग्रामीणों ने की कार्यवाही की मांग करते हुए

आगापुर निवासी श्रीकांत से पूछा गया तो बताया कि इसी नंबर पर हमने दुर्गा माता का मंदिर बनवाया जिसमें भी प्रधान ने कई व्यवधान उत्पन्न किए फिर भी कार्य कराया इसी ग्राम के सुरेश कुमार ने बताया कि हमरा भी मकान इसी नंबर में बना है किसी का नोटिस नहीं गया मेरा नोटिस 85000 का ग्राम प्रधान ने बनवाकर भेज दिया अन्य पर कब होगी कार्यवाही कैसे कितना हटाया जाएगा अतिक्रमण अब कई ग्रामीणों का कहना है कि ये अतिक्रमण कैसे हटाया जाएगा प्रधान ने 2 मंजिल मकान बना लिया भाई को बनबा दिया चाचा को भी बनबा दिया ईटंरलाकिंग डालकर सरकारी पैसा निकाल लिया कब होगी कार्यवाही अपनी सफाई के लिए वीना स्टीमेंट के डलवाई ईटंरलाकिंग ग्राम वासियों का कहना है कि अपनी जगह कब्जा करने के लिए और मकान बनवाने के लिए बिना स्टीमेंट के डलवाई ईटंरलाकिंग अन्य गालियां में ऐसे ही पडी है सभी क्षेत्रवासियों का कहना है प्रशासन कार्यवाही करके बने मकान गिराए जाये और सार्वजनिक तालाब को कब्जा मुक्त किया जाय।